डाक पंजीयनक्र. मालवा डिविजन /404/2025-27 RNI MPHIN/2022/86763

संघर्ष से सिद्धि

खबरों के साथ, हर नजरिये की बात

स्व. पूज्य पिता रतनलाल जी माहेश्वरी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी(जेल) रानापुर जिला झाबुआ के चरणों में सादर समर्पित

Sangharshsesiddhi@gmail.com

हिन्दी सांध्य दैनिक | इंदौर, गुरुवार 17 अप्रैल 2025 | वर्ष-03 अंक-251 पृष्ठ-08, मूल्य-3: 00

लाड़ली बहना योजना...

सीएम मोहन यादव ने जारी की 23वीं किस्त

1.27 करोड़ बहनों के खाते में राशि ट्रांसफर ; कई और सौगातें मिलीं

संजय जैन (सह-संपादक) गिद्ध दृष्टि

संजय जैन,सह-संपादक ।मध्यप्रदेश की करोड़ों लाड़ली बहनों के लिए बड़ी खुशखबरी है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 23वीं किस्त बुधवार (16 अप्रैल) को जारी की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंडला के टिकरवारा गांव से 1.26 करोड़ बहनों को यह सौगात दी है। राज्य सरकार द्वारा लाड़ली बहनों को अब तक 33 हजार करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं।

सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को देंगे 337 करोड़

सीएम मोहन यादव 1100 लड़कियों के सामूहिक विवाह सम्मेलन में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 337 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की। 25 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 57 करोड़ की राशि भी उनके खातों में सिंगल क्लिक से भेजे।

सीएम मोहन 16वीं बार देंगे तोहफा

मोहन सरकार अप्रैल में 16वीं बार बहनों को लाड़ली बहना योजना की राशि ट्रांसफर की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहली बार 10 जनवरी 2024 को 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1576.61 करोड़ ट्रांसफर किए थे। जनवरी के बाद फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त (1500 रुपए), सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर के बाद अब जनवरी 2025, फरवरी, मार्च और अब अप्रैल में सीएम मोहन यादव 16वीं बार बहनों को तोहफा दिया।

जून 2023 को बहनों को मिली थी पहली किस्त

शिवराज सिंह चौहान सरकार ने मई 2023 में लाड़ली बहना योजना शुरू की थी। 21 से 60 वर्ष की विवाहित महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए दिए जाते थे। पहली किस्त 10 जून 2023 को ट्रांसफर की थी। 2023 में रक्षाबंधन पर योजना की राशि बढ़ाकर 1250 रुपए की गई। अब इस योजना के तहत 1250 रुपए महीना के हिसाब से महिलाओं को सालाना 15,000 रुपए मिलते हैं। जून 2023 से मार्च 2025 तक 22 किस्त मिल चुकी हैं। अगस्त 2023 और 2024 में 250 रुपए अतिरिक्त दिए गए थे।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव का नीमच हवाई पट्टी आगमन पर आत्मीय स्वागत

नीमच मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का बुधवार को नीमच हवाई पट्टी आगमन पर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के साथ हवाई पट्टी पर महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री सु निर्मला भूरिया, लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता, जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक नीमच दिलीपसिह परिहार एवं मनासा विधायक अनिरूद्ध मारू, मती वंदना खण्डेलवाल, नीमच नगरपालिका अध्यक्ष मती स्वाति चौपडा, न.पा. के पूर्व उपाध्यक्ष महेन्द्र भटनागर, संतोष चौपड़ा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेटकर, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी का आत्मीय स्वागत किया। एडीजीपी उज्जैन उमेश जोगा, कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, डीआईजी रतलाम मनोज कुमार सिह, एवं पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री डॉ.यादव की हवाई पट्टी पर वायुयान से उतरते ही आगवानी कर, उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। तदपश्चात मुख्यंत्री डॉ.यादव ने नीमच हवाई पट्टी से कार द्वारा मंदसौर के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम मती लक्ष्मी गामड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिह सिसोदिया व अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर भाजपा पर जमकर बोला हमला

बोले, भाजपा और उनकी सरकार लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है, पूरी कांग्रेस पार्टी सोनिया जी और राहुल जी के साथ खड़ी ह- उमंग सिंघार

भोपाल मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने नेशनल हेराल्ड मामले में श्वष्ठ की कार्यवाही पर सवाल उठाते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला है। उमंग सिंघार ने कहा कि भाजपा देश में विपक्ष की आवाज को खत्म करना चाहती है। इसी के तहत नेशनल हेराल्ड की फ़ायल खोली गई और सोनिया जी, राहुल जी की जांच जो खत्म हो चुकी थी उसको खोला गया। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश है। उमंग सिंघार ने कहा कि दरअसल कांग्रेस ने इलेक्टोरल बांड का मुद्दा उठाया, भाजपा ने इसके जरिये हजारों करोड़ का अवैध चंदा लिया क्या ये करप्शन नहीं है ? भाजपा ने करप्शन को भी देश में लीगल कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा श्वष्ठ और ड्डञ्ज जैसी एजेंसियों के जरिये कंपनियों पर भी दबाव बनाती है और चंदा लेती है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी सौरभ शर्मा का मामला हुआ जिसमें लोकायुक्त ने चार्जशीट फ़ायल नहीं कि और उसे जमानत मिल गयी। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि भाजपा खुद के घोटालों पर कभी जांच नहीं कराती। प्रदेश में जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ का घोटाला हुआ, परिवहन घोटाला हुआ और नर्सिंग जैसे घोटाले हुए लेकिन भाजपा की सरकार अपने ही मंत्रियों बचा रही है। इनकी कथनी और करनी में अंतर है। उन्होंने कहा कि इस अन्याय के खिलाफ पूरी कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ सोनिया जी और राहुल जी के साथ खड़ी है। भाजपा के हथकंडों से कांग्रेस पार्टी डरेगी नहीं और जनहित के मुद्दे उठाती रहेगी। उन्होंने ये भी कहा कि अब जरूरत है कि इसपर चर्चा हो कि कैसे भाजपा देश में लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। मेरी मांग है कि जल्द से जल्द सोनिया जी और राहुल जी पर लगा केस वापस होना चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र बचेगा तो हम और आप बचेंगे।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास सजा सुनाई

नरेश राठौड़ कुक्षी- घटना दिनांक 15-16 अप्रैल 2022 की मध्य रात्रि लगभग 1:00 की नई बसाहट निसरपुर की है ,जहां से मृतिका नाबालिक को आरोपी गौरव उर्फ गोरु पिता कैलाश पाटीदार निसरपुर द्वारा ले जाकर कसरावद नर्मदा नदी के पुल पर ले जाकर उसकी मृत्यु कारीत करने के आशय से धक्का देकर नर्मदा नदी में गिराकर उसकी हत्या कारित की थी। और मृतिका का मोबाइल नर्मदा नदी में फेंक दिया था। निसरपुर चौकी पर मृतीका के परिजनों के द्वारा मृतिका के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई पश्चात दो दिन बाद नर्मदा नदी में मृतिका का शव मिला था, प्रारंभिक विवेचना में मृतिका के पिता के मोबाइल से आरोपी के मोबाइल पर हुई रात्रि में बातचीत,,काल डिटेल्स एवं लोकेशन आदि के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना उपरांत प्रकरण अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती आरती शुक्ला पांडे कुक्षी के न्यायालय में चला था जहां अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक आर.के. गुप्ता के द्वारा करीब 28 महत्वपूर्ण साक्षियों के कथन करवाए थे, अपराध का मुख्य साक्षी जिसने रात्रि में मृतिका को आरोपी के साथ जाते हुए देखा था वह साक्षी पक्षद्रोही हो गया था उसके पश्चात पूरा प्रकरण साइबर सेल के द्वारा उपलब्ध साक्ष्य काल डिटेल्स लोकेशन आदि के आधार पर प्रकरण चला था, जिसके आधार पर आरोपी को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं ?3000 के अर्थ दंड से दंडित किया गया था, अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक आर.के. गुप्ता के द्वारा की गई।

जय बलाई समाज संगठन के तत्वाधान में हुवा डॉ. अम्बेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण

रविन्द्र खाण्डेकर मंडलेश्वर - ग्राम ठनगाँव में जय बलाई समाज युवा शक्ति संगठन (जे. बी. एस) के तत्वाधान में बाबा साहेब अम्बेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण हुवा! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा जी थे! कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रविन्द्र खाण्डेकर के द्वारा की गई! सर्व प्रथम 11 बजे के करीब ग्राम के मुख्य मार्गो अम्बेडकर मोहल्ला से साईं मंदिर व पीपलचोक होते हुए अतिशीबाजी करते हुए रैली के रूप में यात्रा का नगर भ्रमण किया गया! इसके पश्चात् प्रतिमा का अनावरण कर सभा का आयोजन हुवा जिसमें संथापक सचिन गोयल, संरक्षक प्रदीप साकले, व्यवस्थाप महेश खाण्डेकर, बी. आर खाण्डेकर, हरीश खाण्डेकर, एन आर चाकरे, कमल कानूड़े,दिनेश साहनी आदि के द्वारा अम्बेडकर जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला गया! सभा में पधारें सभी अतिथियों, वरिष्ठ लोगों, महिलाओं व निर्माण समिति के युवाओं का शाल आदि से सम्मान किया गया! कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में सभी को भोजन आदि भी कराया गया! जिसमें विजय खाण्डेकर,पत्रकार संघ अध्यक्ष भरत राठौड़, पत्रकार सुनील गाडगे, राजेश पंवार, प्रदीप खेड़े, राकेश खेड़े, सुरेश चटर्जी, रमेश दवाड़े शामिल हुए एवं व्यवस्थाओं में पवन खाण्डेकर(जे. बी. एस) ग्राम अध्यक्ष मुकेश खाण्डेकर, कार्यकारी अध्यक्ष विनय खाण्डेकर, संतोष खाण्डेकर, अक्षय खाण्डेकर, लवकेश खाण्डेकर, श्याम भालेकर, विकास हिरवे,सौरभ खाण्डेकर, मिथुन खाण्डेकर, महादेव खाण्डेकर, पाँचीलाल खाण्डेकर, अनिल खाण्डेकर,देवा खाण्डेकर, फूलचंद वासंदे, प्रशांत सिटोले, दीपक खाण्डेकर, अभिषेक खाण्डेकर, राजा खाण्डेकर, नितिन हिरवे, संजय जगदाले, देवकरण खाण्डेकर,अरुण खाण्डेकर, हरीश खाण्डेकर, कालू खाण्डेकर,कान्हाखाण्डेकर ,राजू भालेकर राज खाण्डेकर, मिथुन खाण्डेकर, बाबू खाण्डेकर सहित अनेक युवाओं ने सहयोग प्रदान किया!

युवाओं को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण, सृजन बालिकाओं को मिलेगा डिजिटल सशक्तिकरण का अवसर,बड़वानी पुलिस अधीक्षक का प्रेरणादायक कदम

राजेश नाहरबड़वानी पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर ने एक अभिनव पहल करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय बड़वानी में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि पुलिस की भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक पहुंचना और उन्हें सशक्त बनाना भी है पुलिस अधीक्षक डावर के निर्देशन में आदिवासी और आर्थिक रूप से पिछड़े युवाओं को पुलिस भर्ती परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी, जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन और फिजिकल ट्रेनिंग दोनों शामिल होंगे। इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी प्रतिभाशाली युवा अपने सपनों से वंचित न रह जाए। **शाला त्यागी बच्चों को फिर से शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास** एसपी डावर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शाला त्यागी (स्कूल छोड़ चुके) बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः विद्यालयों में भर्ती कराया जाए, ताकि वे फिर से शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ सकें। सृजन बालिकाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त किया जाएगा।दिशा लर्निंग सेंटर द्वारा यह प्रशिक्षण दिया जाए यह पहल बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने और तकनीकी कौशल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आगामी अवकाश कालीन दिनों में पुलिस समर कैंप आयोजित करने की योजना भी बनाई गई है, जिसमें बच्चों और युवाओं को रचनात्मक, प्रेरणादायक और खेल-कूद संबंधी गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा, यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा, सृजन बालिका कार्यक्रम जैसे विभिन्न जन-जागरूकता अभियानों में विशेष रुचि लेकर कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महिला सेल डीएसपी महेश सुनैया, आरआई चेतन बघेल, सुबेदार श्रीमती उषा सिसोदिया, महिला थाना प्रभारी श्रीमती सुनिता मुजाल्दा, यातायात प्रभारी विनोद बघेल, साइबर एक्सपर्ट रितेश खत्री, महिला डेस्क प्रभारी एस आई श्रीमती ललीता चौहान, एसआई शीला सोलंकी, एएसआई रेखा यादव तथा काउंसलर श्रीमती अनिता चोयल सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। बड़वानी पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर की यह पहल समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने, युवाओं को अवसर प्रदान करने और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम है

तराना नगर में महिदपुर नाका चौपाटी पर अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

पियूष कलोसिया तराना- मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के आदेश अनुसार संपूर्ण मध्य प्रदेश में अवैध अतिक्रमण पर करवाई की जा रही है इसी कड़ी में उज्जैन कलेक्टर द्वारा तराना नगर के आल्ह अधिकारियों को आदेश किया गया था कि नगर में मुख्य चौराहों पर जहां भी अवेध अतिक्रमण किया गया है वह पर बलपूर्वक कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया जाए इसी कड़ी में आज तराना नगर परिषद द्वारा महिदपुर नाका चौपाटी पर अवैध अतिक्रमण को शासन द्वारा तहस-नहस किया गया जिसमें अनेक गुमटियां और दुकान के आगे लगे अतिक्रमण को हटाया गया साहस पूर्वक कार्रवाई को अंजाम दिया तराना एसडीएम राजेश बोरासी, तराना सीएमओ कैलाश चंद्र वर्मा, तराना एसडीओपी भविष्य भास्कर , तराना नायब तहसीलदार टीना मालवीय और नगर परिषद का अमला मौजूद रहा

परवलिया के छात्र का चयन राष्ट्रीय स्तर पर चयन

परवलिया /झाबुआ (हरीश पँचाल)- पी एम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परवलिया के कक्षा 11 वी के छात्र उदयसिंह पिता रमेश भूरिया का चयन 19 वर्ष सीनियर 68वी राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता सेपक टकला इम्फाल (मणिपुर) के लिए हुआ है यह प्रतियोगिता दिनांक 15-04-2025से 21-04-2025के बीच आयोजित होगी छात्र की इस उपलब्धि पर सहायक आयुक्त निशा मेहरा जिला क्रीड़ा अधिकारी कुलदीप धबाई संस्था प्राचार्य एन एस श्रीवास्तव पी टी आई विश्वास शर्मा समसत स्टाफ परवलिया एवं पीटीआई जगत शर्मा राकेश भूरिया कुलदीप सिंह झाला विजय जोशी आदि ने छात्र की उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की

प्रदेश के राजनीतिक और प्रशासनिक नोक-झोक पर अलग हट कर,संघर्ष से सिद्धि की विशेष पेशकश.....संजय जैन,सह-संपादक की कलम से.....

शराब साथ लेकर बुला रहे कालभैरव....

दिव्य दृष्टि वाला आबकारी सब इंस्पेक्टर... क्या डीएसपी की पोस्टिंग अब एसपी के जिम्मे...? जो मर गए, वे राशन फिर भी खा रहे हैं... सपना मेरा टूट गया... इकबाल के बेलवाल के अब बुरे हाल... अशोकनगर कलेक्टर तक नहीं पहुंची महंत की आवाज...

शराब साथ लेकर बुला रहे कालभैरव....

झाबुआ/इंदौर।संजय जैन-सह संपादक। उज्जैन नगर निगम सीमा में हुई शराबबंदी का सीधा सीधा असर विश्व प्रसिद्ध काल भैरव मंदिर पर भी देखने को मिल रहा है। खास बात तो यह है कि काल भैरव मंदिर में मदिरा (शराब) का ही भोग लगता है। इसलिए मंदिर के बाहर दो शराब की दुकान थीं,परंतु उन्हें भी अब बंद कर दिया गया है। गौरतलब है कि उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह का कहना है कि काल भैरव मंदिर में यदि कोई श्रद्धालु बाहर से शराब लेकर आता है और भगवान को भोग लगाता है, तो वह मान्य होगा, परंतु मंदिर परिसर के आसपास शराब बिक्री नहीं होगी।

नीरज कुमार सिंह-कलेक्टर, उज्जैन

जो मर गए, वे राशन फिर भी खा रहे हैं...

एक तरफ इदौर सहित कई जिलों में जरूरतमंद अपना नाम राशन पर्ची में जुड़वाने के लिए भटक रहे है, दूसरी तरफ खरगोन जिले में ऐसे सैकड़ों फर्जी लोगों के नाम पर राशन वितरित किया जा रहा है,जो इस दुनिया में रहे ही हैं नहीं या तो शादी के बाद अन्यत्र रह रहे हैं। गौरतलब है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में वर्षों से चल रहे यह बड़ा घोटाला कलेक्टर भव्या मितल द्वारा खातों की जांच कराने से सामने आया है। ज्ञात हो कि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने अब तक करीब 15 हजार फर्जी सदस्यों के नाम सूची से हटा दिए हैं।

भव्या मितल-कलेक्टर , खरगोन

दिव्य दृष्टि वाला आबकारी सब इंस्पेक्टर...

एमपी पीएससी में दिव्यांग कोटे से परीक्षा देकर आबकारी सब इंस्पेक्टर बने सागर निवासी सत्यम रजक के सोशल मीडिया पर बाइक चलाते हुए फोटो और वीडियो वायरल होने के बाद उनके दिव्यांग कोटे में चयन पर अब सवाल खड़े हो गए हैं। उज्जैन जिले के महिदपुर रोड इलाके में रहने वाले प्रिंस यादव ने सत्यम के सिलेक्शन को गलत बताते हुए मामले की जांच की मांग की है । उन्होंने सवाल उठाये है कि अगर सत्यम दृष्टिबाधित है,तो उसका ड्राइविंग लाइसेंस कैसे बना...? और अगर उसकी आंख सही है और वो बाइक चला सकता है,तो फिर उसका दृष्टिबाधित का सर्टिफिकेट कैसे बना ...?

क्या डीएसपी की पोस्टिंग अब एसपी के जिम्मे...?

मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न जिलों में पदस्थ राज्य पुलिस सेवा के अधिकतर एसडीओपी इस समय असमंजस में है। अभी तक उनकी जिले के किसी सब डिवीजन में पोस्टिंग,सीधे राज्य सरकार के आदेश से होती थी और कार्यक्षेत्र के परिवर्तन का अधिकार भी सरकार को ही था। लेकिन अब संभावित निर्णय के चलते जिले के एसपी उन्हें जिले में किसी भी सबडिवीजन में पदस्थ करने की भूमिका में आ जाएंगे। याने डीएसपी की फील्ड में पोस्टिंग जिले से होने लगेगी।यह आदेश अभी आया नहीं है, लेकिन सूत्रों की मानें तो यह निर्णय फिलहाल पाइपलाइन में है। इस संभावित आदेश को लेकर एसडीओपी के मन में असंतोष और दुविधा की स्थिति सामने आ रही है। वे अपने सोशल मीडिया ग्रुपों पर खुलकर इस पर असंतोष प्रकट कर रहे हैं और इसके चलते इस आदेश पर फिर से मंथन हो रहा है।

सपना मेरा टूट गया...

जिस तरह रातोंरात मोनालिसा की जिंदगी में खुशियां आई थी, अब ठीक उसी तरह गम का पहाड़ भी इस वायरल गर्ल पर टूट पड़ा है। उल्लेखनीय है कि माला बेचने वाली इस लड़की की आंखों की खूबसूरती और खिलखिलाती हंसी ने सोशल मीडिया पर काफी बवाल मचा दिया था। फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने तो इन्हें अपनी अपकमिंग फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर के लिए साइन भी कर लिया था। इन्हें ब्रेक देने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा को रेप केस में गिरफ्तार करने के बाद से तो मोनालिसा की उम्मीदें भी अब अधर में पहुँच चुकी हैं।

मोनालिसा

कलेक्टर तक नहीं पहुंची महंत की आवाज...

अशोकनगर जिले की ऐतिहासिक व प्राचीन नगरी चंदेरी में 6 मंदिरों की 565 बीघा जमीन को बचाने के लिए 105 वर्षीय महंत कमलाकांत दास बीते 20 वर्षों से अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। महंत के अनुसार, ग्राम माफी की 565 बीघा जमीन, ग्राम ठेका में 125 बीघा, ग्राम जंघार में 62 बीघा, ग्राम नटर में 60 बीघा, ग्राम मल्हारगढ़ में 100 बीघा और मोहनपुर के बाग-बगीचे तथा अन्य कई स्थानों पर मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा है । इसके अलावा, तहसील ईसागढ़ में स्थित 12 दुकानों का प्रतिमाह 300 रुपये किराया निर्धारित है वह भी नहीं मिल पा रहा है । महंत की आवाज ग्वालियर कलेक्टर सुन ही नहीं पा रहे हैं।

रुचिका चौहान-कलेक्टर,ग्वालियर

इकबाल के बेलवाल के अब बुरे हाल...

मप्र राज्य आजीविका मिशन में करीब आठ साल पहले हुई अवैध नियुक्तियों के आरोपों में घिरे मध्य प्रदेश के पूर्व आईएफएस अधिकारी और राज्य आजीविका मिशन के तत्कालीन सीईओ ललित मोहन बेलवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) भोपाल ने (पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के खास रहे) बेलवाल, विकास अवस्थी और सुषमा रानी शुक्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। अब भ्रष्टाचार की परतें खुलना शुरु होगी। आजीविका मिशन में भर्ती घोटाला तीन साल पहले उजागर हुआ था, जिसकी जांच में बेलवाल की भूमिका रिपोर्ट आईएएस नेहा मारव्या ने ढाई साल पहले सरकार को सौंप चुकी थीं। शिवराज सरकार में मंत्रालय स्तर पर जांच रिपोर्ट दबी रही।बेलवाल पर तो कोई कार्रवाई नही हुई बल्कि इसके उलट जांच रिपोर्ट देने वाली नेहा मारव्या आईएएस को लूप लाइन का रास्ता दिखा दिया गया था। अब लगता है मोहन सरकार एक्शन मोड में चल रही है।

ललित मोहन बेलवाल तत्कालीन सीईओ,राज्य आजीविका मिशन

इंदौर में पहली आईटी कॉन्क्लेव 27 को...

इंदौर में 27 अप्रैल को आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसके लिए तैयारियां करने को और आईटी कॉन्क्लेव के लिए देश की बड़ी आईटी कंपनियों को बुलाने के लिए भी कहा है। एक दिनी आईटी कॉन्क्लेव के लिए देश-विदेश की महत्वपूर्ण आईटी और इससे जुड़ी सेवाएं देने वाली कंपनियों को न्योता भेजा जा रहा है। प्रदेश सरकार के अफसर व्यक्तिगत रूप से कंपनी प्रतिनिधियों से संपर्क कर रहे हैं, ताकि कॉन्क्लेव में ज्यादा से ज्यादा आईटी कंपनियों की सहभागिता हो सके।

डॉ. मोहन यादव-मुख्यमंत्री

सहायक आबकारी के पदस्थ होने की खुशी.....

इंदौर जिले में देशी-विदेशी शराब दुकानों की नीलामी का सिलसिला जैसे ही शुरु हुआ वैसे ही आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त मनीष खरे की रवानगी ग्वालियर हो गई। उनकी जगह कौन आएगा यह विभाग से ज्यादा उज्जैन के लीकर किंग गौरव जायसवाल के नजदीकी लोगों को पता था। यही वजह रही कि खरगोन से जब अभिषेक तिवारी को इंदौर पदस्थ किया गया तो उज्जैन में भी खूब खुशी मनाई गई थी।गौरकरने लायक है कि हाल ही में सम्पन्न हुई आबकारी ठेकों की नीलामी में जायसवाल ग्रुप ने इंदौर-उज्जैन संभाग में अधिकांश जिलों की दुकानें भी ली हैं।

संपादकीय

यूपीआई को 'मजबूत' करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई को गत सप्ताहांत एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा जिसके चलते देशभर के उपभोक्ता कई घंटों तक परेशान रहे। यूपीआई नेटवर्क का संचालन करने वाले नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जानकारी दी कि उसे रुक-रुक कर तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते यूपीआई लेनदेन आंशिक तौर पर विफल भी हो रहे हैं। बहरहाल चिंता की बात यह है कि यह अपनी तरह की इकलौती घटना नहीं है। शनिवार को यूपीआई के अचानक बंद होने के पहले भी हाल के दिनों में दो बार ऐसा हो चुका है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई को गत सप्ताहांत एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा जिसके चलते देशभर के उपभोक्ता कई घंटों तक परेशान रहे। यूपीआई नेटवर्क का संचालन करने वाले नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जानकारी दी कि उसे रुक-रुक कर तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते यूपीआई लेनदेन आंशिक तौर पर विफल भी हो रहे हैं। बहरहाल चिंता की बात यह है कि यह अपनी तरह की इकलौती घटना नहीं है। शनिवार को यूपीआई के अचानक बंद होने के पहले भी हाल के दिनों में दो बार ऐसा हो चुका है। हालांकि एनपीसीआई ने गत सप्ताह यह सूचना दी थी कि उसने समस्या की जड़ का पता लगाने के लिए विश्लेषण किया है लेकिन शायद इससे खास मदद नहीं मिली। चूंकि यह बीते एक साल में इसके बाधित होने का छठा अवसर था इसलिए अब वक्त आ गया है कि कुछ सवाल किए जाएं और ऐसी बाधाओं की आशंकाओं को समाप्त किया जाए।

इसमें दो राय नहीं कि एनपीसीआई ने बीते एक दशक में शानदार काम किया है। उसने देश में डिजिटल लेनदेन को पूरी तरह बदल दिया है। इस समय देश में रोज करीब 60 करोड़ यूपीआई लेनदेन होते हैं। यूपीआई की कामयाबी के कारण बहुत बड़ी संख्या में भारतीय बिना नकद राशि लिए घर से निकलते हैं। बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिनका मोबाइल फोन ही उनका बटुआ है क्योंकि देश के दूरदराज इलाकों में भी यूपीआई से भुगतान स्वीकार किया जाता है। ऐसे में लेनदेन की प्रक्रिया का अबाध होना आवश्यक है। अगर यूपीआई अनायास बंद होता रहा तो कारोबारों को बहुत नुकसान होगा, खासकर छोटे कारोबारियों और वेंडरों को। एक तरह से देखें तो यह वित्तीय व्यवस्था के लिए भी जोखिम भरा साबित हो सकता है। एक औसत भारतीय के जीवन में यूपीआई के महत्त्व को देखें तो यह अहम है कि जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। ऐसी खबरें हैं कि यूपीआई में बार-बार समस्या आने की एक वजह लेनदेन में अचानक इजाफा भी है। जरूरत पड़ने पर एनपीसीआई को अपनी क्षमता बढ़ानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक को भी इसकी वजह पता लगानी चाहिए और जरूरी कदम उठाने चाहिए। आमतौर पर वह विनियमित संस्थाओं की कमियों को जल्दी पकड़ता है और उसे ऐसा करना भी चाहिए लेकिन एनपीसीआई के मामले में ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। यह भी रिजर्व बैंक को ही तय करना है कि भुगतान में शामिल सभी संस्थान चाहे वे बैंक हों, भुगतान कंपनियां हों या सेटलमेंट के लिए जिम्मेदार संस्थाएं, वे सभी उचित तरीके से काम करें। ताजा समस्याएं एनपीसीआई के एकाधिकार और केंद्रीकरण से जुड़े जोखिम के अहम प्रश्न को भी उठाती हैं। एनपीसीआई ने व्यक्तिगत संस्थाओं के लिए 30 फीसदी तक बाजार हिस्सेदारी सीमित करने के प्रस्ताव में देरी करके एक तरह से दो कंपनियों के दबदबे की व्यवस्था बनाए रखा है जहां दो भुगतान सेवा प्रदाता 90 फीसदी बाजार पर काबिज हैं। इस समस्या को तत्काल हल करने की आवश्यकता है।

मोदी का नया मंत्र... देरी विकास की दुश्मन

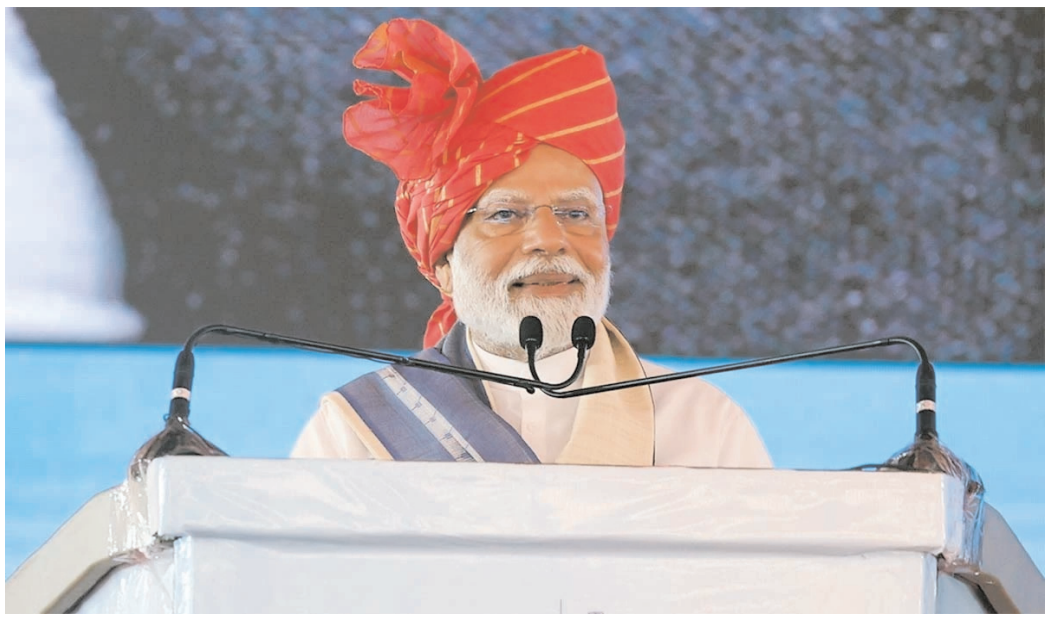

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है।

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है।

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास की दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया।

प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। 'देरी विकास की दुश्मन है' इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुईं, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी।

देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

देरी, विकास का दुश्मन है के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को ह्यतेज और निडर भारतह्ल के रूप में देख रही है। परियोजनाओं में देरी को विकास के दुश्मन के तौर पर प्रधानमंत्री का स्थापित करना एक तरह से राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को संबोधित करना है। विश्व गुरू बनने की आकांक्षा हो या आर्थिक या दूसरी तरह वैश्विक महाशक्ति बनना, इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इसी सोच को हर स्तर पर ना सिर्फ आगे बढ़ाना होगा, बल्कि उसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर भी विकसित किया जाना होगा।

सबको पता है कि कई बार राजनीतिक कारणों से पहले की सरकारों की लाई या उनके द्वारा शुरू या जारी की गई योजनाएं लटका दी जाती हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है। कई बार नौकरशाही भी इस डिले, डिनाय और डिस्ट्राय यानी टालना, इनकार करना और खारिज करने के लिए जिम्मेदार होती है। आजादी के पचहतर साल बीतने के बावजूद नौकरशाही में यह मानसिकता बनी हुई है। अब भी तंत्र ऐसे ढेर सारे तत्व हैं, जो योजनाओं को लटकाने और टालने में भरपूर रूचि लेते हैं। एक तरह से ऐसी सोच वाला डीएनए तंत्र में फैला हुआ है। सरकारी तंत्र से जिनका रोजाना पल्ला पड़ता है, अक्सर वे भी फिनमैन जैसी ही सोच रखते हैं। आर्थिक मोर्चे पर भारत की सफलता दर अगर बढ़ी है तो उसके पीछे निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री की दृष्टि है।

छकतला,उमराली, सोंडवा के गरीब आदिवासी 27 करोड़ की शराब एक साल में पीते जाते है क्या.....?

छकतला उमराली सोंडवा क्षेत्र में 60 प्रतिशत भगत लोग निवासरत है

क्या शराब का अवैध रूप से गुजरात में परिवहन हो रहा है.....?

संघर्ष से सिद्धि की खास खबर

अलीराजपुर जिले के वर्ष 2025-26 के चार अलग अलग ग्रुप के ठेके हुए जिसमें हम आज नानपुर ग्रुप के ठेके की बात आपके सामने रख रहे है। 1.सोंडवा–सोंडवा का शराब ठेका का आरक्षित मूल्य 06.51.22.368 था 2.छकतला–छकतला का शराब ठेका का आरक्षित मूल्य 05.95.46.519 था 3.उमराली–उमराली का शराब ठेका का आरक्षित मूल्य 04.95.62.495 था 4.नानपुर–नानपुर दो दुकानों का शराब ठेका का आरक्षित मूल्य 07.18.43.526 था नानपुर समूह की कुल 5 दुकानों का आरक्षित मूल्य 24,60,74,908 था और टेंडर 25 करोड़ 10 लाख में हुआ। 1.छकतला की वर्ष 2025 में अनुमानित जनसंख्या 4000 के लगभग होगी जिसमें 2025 की अनुमानित जनसंख्या वृद्धि दर 20 प्रतिशत के हिसाब से पुरुष 1800 महिला 1500 ओर बच्चे 700 हो सकते है यह एक मोटा मोटा अनुमान है जो जनगणना 2011 के आधार मानकर लिया है। वैसे छकतला के वोटरों की कुल संख्या 2200 के लगभग पंचायत चुनाव के समय थी। इस क्षेत्र में 60 प्रतिशत भगत लोग है जो शराब का सेवन नहीं करते है इसके अलावा बच्चे ओर शराब नहीं पीने वाले को छोड़कर शराब का सेवन करने वाले पुरुषों की संख्या एक अनुमान से 500 के लगभग हो सकती है। शराब का ठेका 6 करोड़ में लिया उसमें 50 प्रतिशत कमीशन ठेकेदार का खर्च इत्यादि शामिल करते हुए 09 करोड़ होता है। 9,12=75 लाख एक महीने का होता है याने एक माह में छकतला में शराब का सेवन करने वाले 75 लाख की शराब अनुमानित पीते है। छकतला में अनुमानित 500 व्यक्ति जो शराब का सेवन करते है वह एक माह में 75 लाख की शराब का सेवन करते है इस हिसाब से एक दिन में 2 लाख 50 लाख से अधिक की शराब का सेवन करते होगे जो प्रति व्यक्ति एक दिन में 500 रुपए के लगभग होती है। इसका मतलब एक व्यक्ति प्रतिदि औसतन 500 रुपया खर्च ठेके के हिसाब से आता है। अलीराजपुर जिले के छकतला में महुआ,बोर,गुड इत्यादि की शराब आदिवासी लोग बनाते है वही ताड़ी की सीजन में जनवरी से मई तक ताड़ी झाड़ों से निकलती है उसके बाद मजदूरी हेतु पलायन भी करते है जो 4 से 5 माह बाद मार्च में घर लौटते है। छकतला के 95 प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की सूची में दर्ज होंगे। कहने का मतलब इतना सब कुछ आंखों के सामने है तो फिर सवाल यह कि 9 करोड़ की शराब आखिर जाती कहा है। पुराने प्रकरणों को देखे तो छकतला से गुजरात राज्य की सीमा जो 4 किलो मीटर के लगभग लगी हुई है । ठेकेदार को ठेके की राशि सरकार को भरना ही पड़ती है वही अन्य खर्च भी होते ही है। इन सबके लिए अवैध शराब परिवहन करना ठेकेदार की मजबूरी बन जाती है। जबकि अलीराजपुर आदिवासी बाहुल्य जिला प्रदेश में गरीब जिले में शुमार होकर गरीब आदिवासी लोग छकतला के जिनका जीवन यापन कृषि और मजदूरी पर आधारित ओर आधा समय मजदूरी के लिए जिले से बाहर रहते है वह 9 करोड़ की ठेके की शराब पी जाते यह असंभव बल्कि सत्य तो यह है कि ठेकेदार समीपस्थ गुजरात राज्य की सीमा ओर शराब बंदी का फायदा उठाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के शराब ठेके के टेंडर करोड़ों में लेता ओर अवैध शराब परिवहन अपने गुर्गों के माध्यम से करता ही होगा जो पुलिस ओर आबकारी में पिछले वर्ष में दर्ज प्रकरण बता रहे है कि छकतला से गुजरात शराब परिवहन अवैध रूप से हो रही को पकड़ा भी है। अब छकतला में किसी अन्य ने ठेका लिया है वह क्या करता है उसकी जानकारी निकल कर आएगी ही लेकिन अवैध शराब वर्तमान में चोरी छिपे हो रहा होगा उससे इंकार नहीं कर सकते क्योंकि महज़ 15 दिन में अलीराजपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखो की अवैध शराब ओर वाहन सहित कुछ अभियुक्त को अलीराजपुर पुलिस ने पकडा वह अवैध शराब के काले साम्राज्य को उजागर कर रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस ने उठाए सवाल,प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने कार्यकर्ताओं के साथ श्री भूरिया कलेक्टर ऑफिस पहुंचे

कलेक्टर या एडीएम को ज्ञापन देने पर अड़े श्री भूरिया बोले नहीं तो चपरासी को ज्ञापन देंगे

ज्ञापन देने को लेकर झाबुआ एसडीएम और कांतिलाल भूरिया के बीच हुई तकरारज भूरिया बोले ठेका ले रखा क्या आपने कलेक्टर का...?

संजय जैन जिला ब्यूरो झाबुआ

झाबुआ- नेशनल हेराल्ड मामले में चार्ज शीट प्रस्तुत होने पर श्रष्ठ की कार्यवाही पर सवाल उठाते हुए जिले के कांग्रेसी पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के साथ सेकडो की तादात में महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और नारे बाजी करने लगे जब ज्ञापन लेने एसडीएम आए तो उनको श्री भूरिया ने ज्ञापन देने से मना किया ओर बोले कलेक्टर या एडीएम की बुलाओ नहीं तो हम चपरासी को ज्ञापन देंगे इस बात को लेकर एसडीएम और पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के बीच जमकर तकरार हुईज्ञ कांतिलाल भूरिया ने एसडीएम को यह तक बोला कि आपने कलेक्टर का ठेका ले रखा हे क्याज्ञ आपकी तानाशाही नहीं चलेगी ऐसे कई आए और चले गए

करीब आधे घंटे तक कांग्रेसी गेट पर खड़े रहे और बहसबाजी करते रहेज्ञ इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गईज्ञ

नेशनल हेराल्ड मामले मे कांग्रेस ने उठाये सवाल

2011 मे शिकायत 2025 मे चार्जशीट दाखिल, तेरह साल तक क्या कर रही थी सरकार

राजनीतिक प्रतिशोध, बदले की भावना से काम कर रही है केंद्र सरकार

खरगोन- नेशनल हेराल्ड मामले मे कांग्रेस मुखर होकर विरोध कर रही है आज जिला मुख्यालय खरगोन मे पार्टी द्वारा विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए कहा ही नेशनल हेराल्ड केस द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) के माध्यम से केंद्र सरकार, कांग्रेस पार्टी पर दबाव बनाने का प्रयास कर रही है । उन्होंने आगे कहा की राहुल जी की गुजरात मे सक्रियता से सरकार घबरा गई है तभी इस तरह की कार्यवाही की जा रही है । जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक ने सवाल उठाया की वर्ष 2011 मे इसकी शिकायत हुई थी तो आज तक विभाग क्या कर रहा था ? अचानक 2025 मे चार्जशीट क्यों दाखिल करना पड़ी ? साफ है की केंद्र की मोदी सरकार राजनीतिक प्रतिशोध के लिये बदले की भावना से काम कर रही है । उन्होंने आगे कहा की प्रवर्तन निदेशालय श्वष्ठ ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है जबकि इसमें एक पैसे का भी हस्तांतरण नही हुआ है और ना ही किसी प्रकार की संपत्ति का हस्तांतरण हुआ है । पुरा मामला फर्जी है । कांग्रेस पार्टी अदालत मे और बाहर सड़कों पर भी इसकी लड़ाई लड़ेगी । विधायक केदार डाबर ने कहा की पूरी कांग्रेस पार्टी राहुल गाँधी, सोनिया गाँधी के साथ खड़ी है केंद्र सरकार ने इस प्रकार की कार्यवाही बंद नही की तो और भी बड़ा आंदोलन होगा । प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रवि जोशी के साथ बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार हाय हाय, सत्ता का दुरूपयोग बंद करो जैसे नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन मे कहा गया है की 1935 मे जवाहर लाल नेहरू जी ने नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना की थी आर्थिक तंगी के कारण अखबार के बंद होने के बाद उसकी संपत्तियों को सुरक्षित करने के लिये नो लॉस नो प्राफिट के तहत श्वष्ठ की धारा आठ के अंतर्गत यंग इंडिया कंपनी के माध्यम से ये कार्यवाही की गई जो पूरी तरह पारदर्शी है । कांग्रेस का आरोप है की गुजरात मे राहुल गाँधी की बड़ती सक्रियता से घबराकर मोदी सरकार यह कदम उठा रही है । ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है की केंद्र की भाजपा सरकार सत्ता का दुरूपयोग कर राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से कार्यवाही करना बंद करे अन्यथा कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे । इस अवसर पर जिला कांग्रेस महासचिव दिनेश पप्पू पटेल, जितेंद्र भावसार, उपाध्यक्ष कादर बेग, डॉ डी के परसाई, जगदीश आलीवाल, प्रो अखिलेश बार्चे, डॉ गोविंद दसौंधी, शिव तिवारी, पूर्व विधायक परसराम डंडीर, सेवादल जिला अध्यक्ष सुरेश चंदेल, आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष महेंद्र चौहान, डेविड ब्रेनार्ड, जिला महासचिव संजीव गांगुली, रामचंद्र सोलंकी, राजेंद्र पंवार, पार्षद असलम शेख, हीरा परमार, लक्ष्मी मोरे, उबेदुलाह, विजय सोनी, श्रीराम पटेल, भगवान बडोले, पप्पू गौर, अय्यूब भाई लोहार, राजू दरबार,विजय सोनी, अमित भालसे, प्रतीक पंवार, राजेश खाण्डे, अमित ठक्कर, राजू सदर, दिलीप श्रीमाली, डॉ संतोष यादव, दीपक जोशी, आवेश खान, ध्रुव सोनी, धर्मेंद्र सर्राफ, अरविंद चौधरी, विजय सिंह मंडलोई, शाहरुख मिर्जा, अजय बडोले, पारितोष व्यास, यशवंत गाँगले, यशवंत साँवले, धन्नालाल वर्मा, सिद्धू वर्मा, प्रताप चौहान, छीतू शारदे, वाहीद शाह, राउफ् शाह, सज्जु बाबा, नाज़िम पटेल , जुनेद बेग सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे । उक्त जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजेश मंडलोई ने दी।

मुख्यमंत्री ने करोड़ों के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

अनेक निर्माण कार्यों का हुआ लोकार्पण, नव युगलो को दिया आशीर्वाद

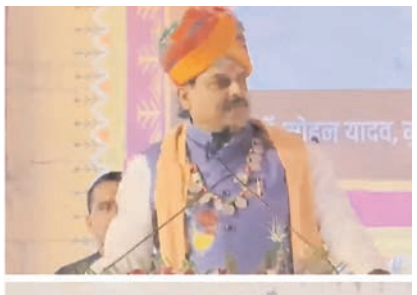

डेस्क मंडला- आज के दिन के हम साक्षी रहे नवयुगलों को आशीर्वाद विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के साथ एक करोड़ 27 लाख बहनों को 23वीं किस्त के माध्यम से उनके स्वावलंबन एवं आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए । यह उदगार मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने बुधवार को मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा में सामूहिक विवाह कार्यक्रम मैं शामिल होने उपरांत कहा डॉ यादव ने एक क्लिक पर लगभग 232 करोड रुपए की लागत का भूमि पूजन 1 करोड़ 27 लाख महिलाओं को 23वीं किस्त , उज्ज्वला योजना अंतर्गत हितग्राहियों को 57 करोड़ की राशि एक क्लिक के अंतर्गत ट्रांसफर की मुख्यमंत्री ने कहां की भाई बहनों आप अपने भविष्य के लिए तो कुछ रुपए जोड़ लें इस कार्यक्रम में भारी संख्या में लाडली बहना,जन सामान्य के साथ जिले के सभी जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे

लोहा सप्लाई के नाम पर 1.34 लाख की ठगी, डॉक्टर ने दर्ज कराई FIR

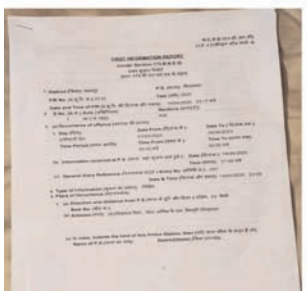
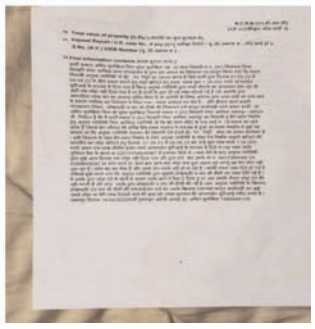

संवाददाता मंडला मण्डला – बिलहरी निवासी डॉ. अमित सुलखिया ने मंडला निवासी अनुपम ज्योतिषी पिता अरविंद ज्योतिषी के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। डॉ. अमित सुलखिया ने थाना गोराबाजार में दी शिकायत में बताया कि उन्होंने मकान निर्माण के लिए अनुपम से लोहा खरीदने हेतु 1 मई 2023 से 4 जून 2023 के बीच कुल 1,34,000 रुपये ऑनलाइन यूपीआई से भुगतान किया। अनुपम ज्योतिषी, पिता अरविंद जयोतिषी जो कि ईंट, रेत, गिट्टी एवं लोहा सप्लाई का व्यापार करता है, ने रकम लेने के बावजूद न तो लोहा सप्लाई किया और न ही पैसे लौटाए। पीड़ित डॉक्टर ने बताया कि आरोपी से उनका परिचय उनके मित्र मयंक के माध्यम से हुआ था, जिसने आरोपी को विश्वसनीय ठेकेदार बताया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, अनुपम लगातार टालमटोल करता रहा और अब फोन तक उठाना बंद कर दिया है। जिससे स्पष्ट होता है कि आरोपी की नीयत शुरू से ही धोखाधड़ी की थी। थाना गोराबाजार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (आपराधिक न्यास भंग) व 420 (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉ . अमित सुलखिया ने मांग की है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर या तो उन्हें लोहा उपलब्ध कराया जाए या उनकी रकम वापस दिलाई जाए।

11 लाख से अधिक के लागत के आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण

राजेश नाहर खेतिया प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में सरकार ग्रामीण विकास एवं जनकल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इन भवनों के निर्माण से न केवल कार्यों को सुचारु रूप से संचालित किया जा सकेगा, बल्कि बच्चों एवं माताओं को आंगनवाड़ी के माध्यम से बेहतर सुविधाएं भी प्राप्त होंगी। उक्त विचार क्षेत्रीय विधायक श्याम बर्डे ने डुकरझिरी फल्या में 11.22लाख की लागत से निर्मित आंगनबाड़ी भवन के लोकार्पण के दौरान कहे। ग्राम पंचायत करनपुरा के डुकरझिरी फल्या में बने आंगनबाड़ी भवन के लोकार्पण के अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष रामचन्द्र सोनिस,भाजपा पदाधिकारी, जनपद सदस्य,सरपंच पंच , स्थानीय ग्रामीणजन एवं सम्माननीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेशनल हेराल्ड मामले में ब्लॉक कांग्रेस ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

राजू पटेल नीमच मनासा– बुधवार 16 अप्रैल को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनासा, रामपुरा व कुकड़ेश्वर के संयुक्त नेतृत्व में विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डाक बंगला मनासा से रैली के रूप में प्रदर्शन करते हुए अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंच कर नायाब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा ब्लॉक अध्यक्ष श्याम सोनी ने ज्ञापन का वाचन करते हुए कहा कि राजनीतिक रंजिश के कारण भाजपा अब बदले की कार्रवाई पर उतर आई है! इसलिए, त्याग की प्रतिमूर्ति आदरणीया सोनिया गांधी और जननायक राहुल गांधी के खिलाफ ईडी ने चार्ज शीट दायर की है जिससे कांग्रेस कार्यकर्ता डरने वाले नही है जांच एजेंसियों का दुरुपयोग भाजपा सरकार बन्द करे अन्यथा कांग्रेस व्यापक रूप से आंदोलन करेगी।ज्ञापन देने में जिला अध्यक्ष अनिल चौरसिया,रामपुरा ब्लॉक अध्यक्ष राजू गरासिया, कुकड़ेश्वर ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश राठौर ,मंगेश संघई मनासा शहर अध्यक्ष रविन्द्र दामू विजयवर्गीय, रामपुरा शहर अध्यक्ष संदीप सोनी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मनोरमा मुंदड़ा,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रामप्रसाद कसेरा, जिला महामंत्री महेन्द्र उपाध्याय, जिला कार्यवाहक अध्यक्ष चंद्रशेखर पालीवाल,जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश धनगर, प्रदेश महासचिव अंकित जैन, मनीष पोरवाल,आर सागर कछावा, कुकड़ेश्वर युवा नेता राजेंद्र राजू पटेल घीसालाल जाट, सत्यनारायण लक्षकार, बाबू कुशवाह, उषा सचदेवा , शशि कसेरा सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट के निराकरण हेतु की जाये समुचित व्यवस्था -कलेक्टर सुश्री सनोबर

राजेश नाहर बड़वानी जिले में ग्रीष्मकाल में जिलेवासियों को सुचारू रूप से जलपूर्ति हो, इसके लिए समुचित व्यवस्था बनाये। साथ ही संकट की स्थिति से निपटने हेतु क्राइसिस मैनेजमेंट टीम का गठन करे। प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर जनपद सीईओ, सरपंच, पंच, जीआरएस एवं पीएचई विभाग के साथ बैठक लेकर स्थानीय स्तर पर जल आपूर्ति/जल कमी की स्थिति का निवारण करे। केवल खानापूर्ति ना करे, जमीनी स्तर पर अगर कार्य हो रहे है तो उनका लाभ भी आमजन तक पहुंचाना चाहिए। उक्त बातें कलेक्टर सुश्री गुंचा सनोबर ने कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में आयोजित समय सीमा बैठक के दौरान समीक्षा करते हुए। जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा कर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को जल जीवन मिशन के कार्यो में कोई भी लापरवाही न बरतते हुए जल संकट वाले स्थलों का विजिट कर समस्या का निराकरण करने के साथ ही जनपद स्तर पर ट्यूबवेल की मोटर खराब होने पर मैकेनिक का ग्रामीणों को आसानी से उपलब्ध हो इसकी जानकारी भी उपलब्ध करवाये। बैठक में समग्र ईकेवायसी की साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा कर कलेक्टर ने समस्त जनपद सीईओ एवं सीएमओ को निर्देशित किया कि वे वार्डवार कैम्प लगाकर प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य में प्रगति लाये। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड की प्रगति के संबध में जनपद सीईओ एवं जीआरएस आपसी समन्व्य से किये जा रहे कार्यो की मानीटरिंग करने के निर्देश दिए ,उच्च शिक्षा विभाग एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग को विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति से संबंधित अपूर्ण एवं लंबित आवेदनों को पूरा करने हेतु निर्देशित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यो की समीक्षा कर सभी सीडीपीओ को निर्देशित कर समस्त कार्यकर्ताओं की प्रतिदिन आंगनवाड़ी केन्द्र खुलने एवं उपस्थिति के साथ केन्द्रों पर पूरक पोषण आहार वितरण की जानकारी हेतु निर्देशित किया,ग्रीष्मकाल में फसल अवशेषों एवं नरवाई जलाने के संबंध में निर्देशित किया कि पूर्व में इसके संबंध में प्रतिबंधात्मक निर्देश जारी हो चुके हो। साथ ही सेटेलाइट के माध्यम से जानकारी प्राप्त होती रहती है। अतः समस्त एसडीएम इसकी सतत् मानीटरिंग करे कि कही ऐसी कोई गतिविधि न हो। बैठक में अपर कलेक्टर केके मालवीय, जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनाश, एसडीएम बड़वानी भूपेन्द्र रावत, डिप्टी कलेक्टर शक्तिसिंग चौहान सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

पंडित कमल किशोर नागर की कथा को लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन सतर्क, श्रद्धालुओं की सुविधा प्राथमिकता में

धार।आगामी 21 अप्रैल से गंधवानी के ग्राम कामथा में आयोजित होने वाली पंडित कमल किशोर नागर जी की कथा के लिए की जा रही तैयारियों और व्यवस्थाओं का निरीक्षण बुधवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह,जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी सहित सड़क,स्वास्थ्य , विद्युत ,पंचायत और अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने आयोजन स्थल का निरीक्षण करते हुए समय पर और सुचारू व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि यह आयोजन आस्था और श्रद्धा का विषय है, अत: सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों से भी संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने विशेष रूप श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए पार्किंग स्थल चिन्हित कर वाहनों की सुव्यवस्थित आवाजाही हेतु ट्रैफिक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।कथा स्थल एवं आसपास नियमित सफाई व्यवस्था बनाए रखने, शुद्ध पेयजल के लिए वाटर टैंकर एवं प्याऊ की समुचित व्यवस्था करने को कहा गया।प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और एंबुलेंस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा जनरेटर बैकअप की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। वहीं एसपी मनोज कुमार सिंह ने आयोजन स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम करने की बात कही।आयोजन समिति को स्वयंसेवकों की तैनाती कर श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने और व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया।एसपी श्री मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी और महिला पुलिसकर्मियों की भी पर्याप्त तैनाती की जाएगी।

ओलंपिक 2028- क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा अमेरिका के पोमोना में बनेगा खास अस्थायी स्टेडियम

नई दिल्ली। ओलंपिक खेलों में 124 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है और इसके लिए अमेरिका के साउदर्न कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में खास अस्थायी स्टेडियम बनाया जाएगा। जो इस खेल का आयोजन स्थल होगा। एलए 28 ओलंपिक आयोजक समिति ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह आयोजन स्थल फेयरप्लेक्स कहलाता है, जो 500 एकड़ में फैला हुआ है और 1922 से लॉस एंजेलिस काउंटी फेयर की मेजबानी कर रहा है।

14 जुलाई से 30 जुलाई तक होंगे ओलंपिक 2028 लॉस एंजेलिस में 14 जुलाई से 30 जुलाई 2028 तक होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार शामिल होगा। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच

दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब क्रिकेट का आयोजन तेज़-तर्रार और रोमांचक T20 फॉर्मेट में होगा, जिससे दुनियाभर के नए दर्शकों को जोड़ने की कोशिश होगी।

पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा एलए 28 ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग में कुल 6-6 टीमें खेलेंगी। इसके लिए क्रिकेट को 90 एथलीट कोटा मिला है, यानी हर टीम में 15 खिलाड़ियों का स्क्वाड होगा। हालांकि क्वालिफाइंग रास्ता और कट-ऑफ्स का ऐलान अभी नहीं हुआ है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने दी प्रतिक्रिया आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, हम क्रिकेट के लिए ओलंपिक में वेन्यू की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह हमारे खेल की ओलंपिक में वापसी की तैयारी की दिशा में अहम कदम है। क्रिकेट वैसे तो एक बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन ओलंपिक जैसे मंच पर टी 20 फॉर्मेट में खेलना नई ऑडियंस तक पहुंचने का शानदार अवसर होगा।

इन नए खेलों को भी मिली जगह एलए 28 ओलंपिक में क्रिकेट के अलावा बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस (सिक्सेस) और स्क्वैश को भी जगह मिली है। उम्मीद जताई जा रही है कि 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक में भी क्रिकेट को बरकरार रखा जाएगा। वहां गाबा स्टेडियम के आखिरी मैच के तौर पर क्रिकेट फाइनल कराने की योजना है, इसके बाद स्टेडियम को तोड़ने की तैयारी है।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना सस्ता होकर 95,170 रुपये से लेकर 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,190 रुपये से लेकर 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आई कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 99,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है।

आईएसएसएफ विश्व कप - सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण, मनु भाकर ने रजत पर किया कब्ज़ा, सौरभ चौधरी को कांस्य

नई दिल्ली पेरू के लीमा में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण और मनु भाकर ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, पुरुष वर्ग में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर लंबे समय बाद वापसी की।

18 वर्षीय सुरुचि ने मनु को 1.3 अंकों से हराया सुरुचि इंदर सिंह ने चयन दौर (क्वालिफिकेशन राउंड) में 582 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मनु भाकर ने 578 अंकों के साथ अंतिम आठ (फाइनल-8) में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में सुरुचि ने बेहतरीन निशानेबाजी करते हुए 243.6 अंक अर्जित किए और अपनी अनुभवी साथी निशानेबाज मनु भाकर (242.3) को 1.3 अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया।

सौरभ चौधरी ने 2022 के बाद जीता पहला व्यक्तिगत पदक पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सौरभ चौधरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चयन दौर में 578 अंक बनाकर सातवें स्थान के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। फाइनल में सौरभ ने जोरदार शुरुआत की और शुरुआती दौर के बाद दूसरे स्थान पर थे। हालांकि, चीन के हु काई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 246.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ब्राज़ील के फेलिप अल्मेडा वू ने 241.0 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया। सौरभ ने 219.1 अंक बनाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

वरुण तोमर और अन्य भारतीय निशानेबाज़ों का प्रदर्शन अंतिम आठ में पहुंचे एक अन्य भारतीय वरुण तोमर ने 198.1 अंकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया।चयन दौर में आकाश भारद्वाज ने तीसरे सर्वश्रेष्ठ 583 अंक बनाए, लेकिन वह रैंकिंग अंक हेतु (आरपीओ) के अंतर्गत खेल रहे थे, इसलिए पदक स्पर्धा में भाग नहीं ले सके।

रविंदर सिंह (574) और अमित शर्मा (आरपीओ, 573) ने क्रमशः 12वें और 16वें स्थान पर स्थान प्राप्त किया।

शुरुआती दबाव के बाद उबरा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त बनाई

नई दिल्ली, घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार में गिरावट का सामना करने के बाद दबाव से उबरता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 5 मिनट में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरकर लाल निशान में पहुंच गए। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाला और आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंडसइंड बैंक, ट्रेंट लिमिटेड, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी लाइफ और जियो फाइनेंशियल के शेयर 2.72 प्रतिशत से लेकर 1.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर मारुति सुजुकी, हिंडाल्को, एटरनल, बजाज ऑटो और सन फार्मास्यूटिकल के शेयर 1.48 प्रतिशत से लेकर 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,402 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,788 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 614 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 14 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 261.89 अंक की तेजी के साथ 76,996.78 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में यह सूचकांक लाल निशान में 76,569.59 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 68.86 अंक की मजबूती के साथ 76,803.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 15.55 अंक की बढ़त के साथ 23,344.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण पहले 5 मिनट में ही यह सूचकांक लाल निशान में 23,277 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद लिवाल एक्टिव हो गए, जिससे इस सूचकांक ने दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 27.25 अंक की मजबूती के साथ 23,355.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 1,577.63 अंक यानी 2.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,734.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 500 अंक यानी 2.19 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,328.55 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 : गुइरासी की हैट्रिक रही बेकार, बार्सिलोना से हारकर डॉर्टमंड टूर्नामेंट से बाहर

डॉर्टमंड, । यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सहरो गुइरासी ने शानदार हैट्रिक लगाई, लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम बोरुसिया डॉर्टमंड प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

डॉर्टमंड ने दूसरे चरण में बार्सिलोना को 3-1 से हराया, लेकिन पहले चरण में 4-0 की करारी हार के कारण कुल 5-3 के अंतर से पराजित होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं, बार्सिलोना ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

पहले चरण की बड़ी हार के बाद डॉर्टमंड ने किया जोरदार हमला पहले चरण में 4-0 की हार झेलने के बाद डॉर्टमंड के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और बार्सिलोना को बैकफुट पर धकेल दिया। गुइरासी ने पहले चरण में कई अवसर गंवाए थे, लेकिन इस बार उन्होंने 11वें मिनट में पेनल्टी पर कोई गलती नहीं की और अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

गुइरासी की हैट्रिक, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया दूसरे हाफ में गुइरासी ने 49वें मिनट में हेड से दूसरा गोल किया। इसके बाद 76वें मिनट में नज़दीक से तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की। इसी के साथ वे इस सत्र में यूएफा चैंपियंस लीग के सर्वोच्च गोल स्कोरर बन गए, उनके नाम अब 13 गोल हो गए हैं। हालांकि, इस बीच रामी बेन्सेबाइनी का आत्मघाती गोल डॉर्टमंड के लिए भारी पड़ गया और उनकी वापसी की उम्मीदों को झटका लगा।

बार्सिलोना ने बचाई बढ़त, सेमीफाइनल में पहुंची डॉर्टमंड ने अंत तक बराबरी की कोशिश की, लेकिन बार्सिलोना ने अपनी बढ़त को कायम रखा और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब बार्सिलोना का सामना इंटर मिलान या बायर्न म्यूनिख से होगा।

मैच का कुल स्कोर-

पहला चरण: बार्सिलोना 4-0 डॉर्टमंड

दूसरा चरण: डॉर्टमंड 3-1 बार्सिलोना

कुल स्कोर: बार्सिलोना 5-3 डॉर्टमंड

जैन संतो पर हुई मारपीट मामले में

मोन रैली निकालकर जताया विरोध, मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

गौरव टांकवाल पिपलौदा । सकल जैन समाज द्वारा ग्राम कछोला के हनुमान मंदिर में रात्रि विश्राम करने हेतु ठहरे जैन संतो के साथ की गई मारपीट के मामले में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नाम ज्ञापन तहसीलदार देवेंद्र दानगढ़ व थाना प्रभारी को दिया गया। ज्ञापन में बताया कि जैन समाज के मुनिराज विहार करते हुए दिनांक 13 अप्रैल को जावद विधान सभा क्षेत्र में सिंगोली के पास ग्राम कछोला के हनुमान मंदिर में रात्रि विश्राम करने हेतु ठहरे थे तब असमाजिक तत्वों द्वारा उनके साथ गम्भिर मारपीट की गई। उपरोक्त शर्मनाक घटना से पुरा देश शर्मीदा हुआ है बदमाशों के द्वारा भगवान हनुमान जी के मंदिर में यह जघन्य कार्य किया है, जैन समाज जो की दया करूणा सहिष्णुता और सम्मान सिखाता है जैन साधु किसी भी मोह माया सांसारीक विलासिता को त्यागकर धर्म के मार्ग पर जीवन जीते है, तथा अनुयायीयों को भी धर्म के साथ जीवन जीना सिखाते है। जैन संत एंव अन्य संत राष्ट्र की धरोहर है

भारतीय सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज करें सरकार समाजजनो ने मांग करते हुए कहा कि जैन संत के साथ जो अपराध बदमाशों के द्वारा किया गया है उसकी जांच उच्च स्तरीय करवाई जावे तथा अपराधियों पर भारतीय सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण पंजीकृत किया जावे तथा भविष्य में ऐसी कोई घटना की पुनावर्ती न हो यह सुनिश्चित किया जावें। जैन संतो की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किये जावे।

बड़ी संख्या में समाजजन रहे मौजूद ज्ञापन के पूर्व झंडा चोक जैन मंदिर से विरोध स्वरूप मौन रैली निकाली गई जो मुख्य मार्ग से होते हुए नाका न.1 पर पहुची जहाँ जैन समाज सहित विभिन्न समाज के वक्ताओं ने घटना की निंदा करते हुए अपनी अपनी बात रखते हुए दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सकल जैन श्री संघ, श्री वर्धमान स्थानक जैन श्री संघ, वाटिका ट्रस्ट, नवयुवक, तरुण परिषद, महिला परिषद आदि के साथ सर्व धर्म समाज के लोग मौजूद रहे।

खरगोन व मेहरजा में सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन का हुआ आयोजन

कल्पेश सोनी खरगोन– मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनान्तर्गत 16 अप्रैल को कपास मण्डी खरगोन एवं गोगांवा जनपद के ग्राम मेहरजा में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सामूहिक विवाह समारोह में विधायक बालकृष्ण पाटीदार सहित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा विवाह सूत्र में बंधे नव दंपतियों को आशीर्वाद दिया गया और भावी जीवन की मंगल कामना की गई। इस अवसर पर एसडीएम बीएस कलेश, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, उपाध्यक्ष भोलू कर्मा, उप संचालक सामाजिक न्याय धर्मेन्द्र गांगले, नगर पालिका के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एमआर निंगवाल सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव पहुंचे नीमच, सांसद और विधायको ने किया भव्य स्वागत

राजू पटेल नीमच– मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव बुधवार शाम को नीमच पहुंचे। नीमच आगमन के दौरान जब वें हैलिपेड पर उतरे, तो नीमच-मंदसौर संसदीय क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता, नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक माधव मारू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सीएम यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया। जिसके बाद वें वाहन के माध्यम से ऑफिसर मेश पहुंचें।

नीमच में सीआरपीएफ स्थापना दिवस समारोह की शोभा बढ़ाएंगे केंद्रीय गृहमंत्री

राजू पटेल नीमच- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 17 अप्रैल को नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में आयोजित सीआरपीएफ दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। यह आयोजन केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 86वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा है।

सीआरपीएफ दिवस प्रतिवर्ष 19 मार्च को मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1950 में तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा बल को ध्वज प्रदान किया गया था। इस वर्ष परेड 17 अप्रैल को विस्तारित समारोहों के तहत आयोजित की जा रही है।

नीमच का ऐतिहासिक मूल्य भी इस अवसर पर विशेष महत्व रखता है। यहीं 27 जुलाई 1939 को ब्रिटिश शासनकाल में क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस की स्थापना की गई थी, जिसे स्वतंत्रता के पश्चात 28 दिसंबर 1949 को देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) नाम दिया। सीआरपीएफ ने देशी रियासतों के एकीकरण से लेकर आंतरिक सुरक्षा, उग्रवाद-आतंकवाद विरोधी अभियानों, अंतर्राष्ट्रीय शांति स्थापना, वीआईपी सुरक्षा और आपदा प्रबंधन तक अनेक मोर्चों पर सशक्त भूमिका निभाई है। आज यह विश्व का सबसे बड़ा और सुसजित अर्धसैनिक बल है।

मुख्य समारोह से पूर्व 15 अप्रैल को महानिदेशक परेड आयोजित की गई, जिसका नेतृत्व सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने किया।

17 अप्रैल को होने वाले भव्य समारोह में सीआरपीएफ की आठ टुकड़ियों द्वारा परेड की जाएगी। इसके बाद गृहमंत्री वीरता पदकों के लिए चयनित सीआरपीएफ कर्मियों को gallantry medals प्रदान करेंगे। CoBRA, RAF, Valley QAT और डॉग स्क्वॉड जैसी इकाइयों द्वारा विशेष प्रदर्शन प्रस्तुत किए जाएंगे।

गृहमंत्री शहीद स्थल पर बल के वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उसके उपरांत शहीदों के परिवारों, परेड कमांडरों और जवानों के साथ वार्तालाप करेंगे। सीआरपीएफ के नीमच परिसर में वर्तमान में केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय (CTC), रंगरूट प्रशिक्षण केंद्र (RTC), ग्रुप केंद्र, रेंज कार्यालय, संयुक्त अस्पताल, प्रथम बटालियन एवं 4 सिगनल बटालियन कार्यरत हैं, जहां प्रशिक्षण से लेकर प्रशासनिक और परिचालन कार्यों तक, विविध गतिविधियां संचालित होती हैं।

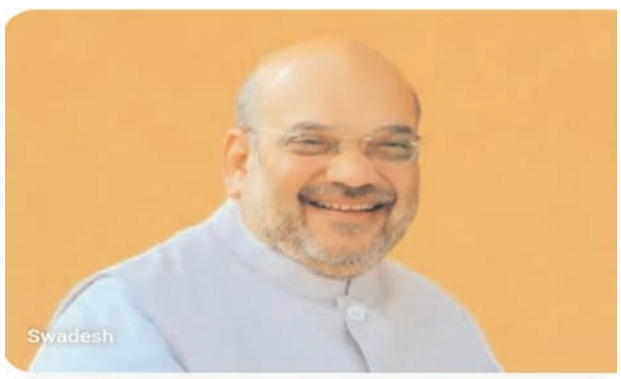

लोकतंत्र की रक्षा को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

सतीश वाघ

बुरहानपुर– कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं अन्य कांग्रेसी नेताओं के ऊपर नियमों के विरुद्ध जाकर प्रवर्तन निदेशालय की दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई के विरोध में एवं न्याय और लोकतंत्र की रक्षा का निवेदन करते हुए

जिला कांग्रेस कमेटी बुरहानपुर के नेतृत्व में आज महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन नारेबाजी और विरोध ङ्क प्रदर्शन दर्ज कराते हुए अनुविभागीय अधिकारी बुरहानपुर को सौपा गया। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष रिंकु टांक ने कहा कि 2014 से लगातार यह देखा जा रहा है

कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी, सीबीआई, आईटी जैसी एजेंसियों का मनमाना उपयोग किया जा रहा है। इससे यह स्पष्ट है कि यह एक राजनीतिक हथियार के रूप में एजेंसियों को प्रयोग करने की रणनीति है।

कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता अपने शीर्ष नेतृत्व के साथ खड़ा है और हम ऐसी दुर्भावनापूर्ण राजनीतिक कार्यवाही का सड़क से लेकर संसद तक विरोध करेंगे।

उक्त विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस जिला अध्यक्ष रिंकु टांक, हमिद काजी, उत्तम पाल सिंह पुरनी, रविंद्र महाजन, ठाकुर सुरेंद्र सिंह, अजय रघुवंशी, किशोर महाजन, इंद्रसेन देशमुख, अनीता अमर यादव, रामकिशन पटेल, अकिल औलिया, इनाम अंसारी, मीनाक्षी महाजन, सरिता भगत, रामभाऊ लांडे, हंसराज पाटिल, तसनीम मर्चेंट, डॉक्टर तारीक, अजय उदासीन, फरीद काजी, अमर यादव, इस्माइल अंसारी, गौरी शर्मा, हर्षित सिंह ठाकुर, सलीम कॉटनवाला, अहफ़ाज़ मीर, शाहिद बंदा, हामिद डायमंड, आरिफ खान, जहीर अब्बास, आसिफ खान, जहीर अब्बास, विनोद मोरे, अजय बालापुरकर, फहीम हाशमी, बाबा ट्रॉली, मुकेश बुनगाल, कैलाश आसरेकर, चुन्नू सेठ, शैली किर, कमलेश शाह, डा. इमरान खान, राजेश भगत, निखिल खंडेलवाल, उबैदुल्लाह, देव ठाकुर, साजिद अंसारी, मुशर्रफ़ खान, जिया अंसारी, आरिफ मैकेनिक, वसीम बक्श, नजीर अंसारी, सौराब कुरैशी, गुलाम भाई, मोहम्मद मर्चेंट, प्रमोद कुमार जैन, अरुण महाराज जोशी, शेख रुस्तम, रियाज उल हक अंसारी, हेमंत पाटील, रफीक मंसूरी, औजेर अंसारी, भावेश सिंह तोमर, शहजाद नूर, असलम खान, कैलाश पाटिल, दीपक जंगले, इंजमाम बक्श, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रकाशक, मुद्रक धवन माहेश्वरी, मालिक गजेन्द्र माहेश्वरी द्वारा उदयरत्न ऑफसेट, I0/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड़, उज्जैन (मध्यप्रदेश) से मुद्रित, 190, विधापति नगर, नानाखेड़ा, उज्जैन (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित
संपादक :शानू माहेश्वरी, (9754776006, 7974826006, 8643056464,9575154444) समाचार पत्र में प्रकाशित प्रत्येक समाचार के लिए प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों के निपटारे हेतु न्यायालय क्षेत्र उज्जैन ही रहेगा । समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। कानूनी सलाहकार तनुज दीक्षित (अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट) ।